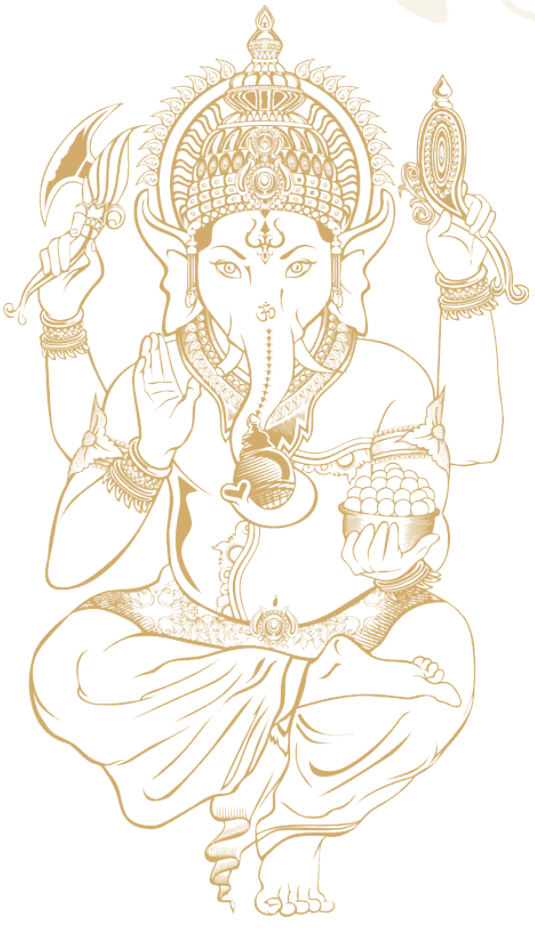

Mr.shareyash panchal

Ms.purva panchal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120159002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/12/1998	जन्म तिथि	20/03/2000
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 00:45:00	जन्म समय	11:59:00 घंटे
घटी 44:13:11	जन्म समय(घटी)	13:54:22 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:43	सूर्योदय	06:25:15
17:25:07	सूर्यास्त	18:32:20
23:50:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:22

विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 1मा 26दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 4मा 4दि
राहु	02:52:03	कन्या	लग्न	मिथु	11:49:14	राहु
06/02/2017	25:41:56	वृश्चि	सूर्य	मीन	06:05:54	24/07/2018
07/02/2035	07:25:47	कन्या	चंद्र	कन्या	07:00:43	24/07/2036
राहु 20/10/2019	14:04:28	कन्या	मंगल	मेष	04:05:27	राहु 06/04/2021
गुरु 15/03/2022	07:29:16	वृश्चि	बुध	कुंभ	10:17:24	गुरु 30/08/2023
शनि 19/01/2025	25:39:55	कुंभ	गुरु	मेष	12:44:03	शनि 06/07/2026
बुध 08/08/2027	06:11:50	धनु	शुक्र	कुंभ	14:31:40	बुध 23/01/2029
केतु 26/08/2028	03:13:16	मेष व	शनि	मेष	20:21:35	केतु 10/02/2030
शुक्र 27/08/2031	00:50:34	सिंह व	राहु व	कर्क	08:16:22	शुक्र 10/02/2033
सूर्य 20/07/2032	00:50:34	कुंभ व	केतु व	मक	08:16:22	सूर्य 05/01/2034
चन्द्र 19/01/2034	16:09:42	मक	हर्ष	मक	25:17:03	चन्द्र 06/07/2035
मंगल 07/02/2035	06:32:36	मक	नेप	मक	12:04:13	मंगल 24/07/2036
	14:31:38	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:02:22	

लग्न-चलित

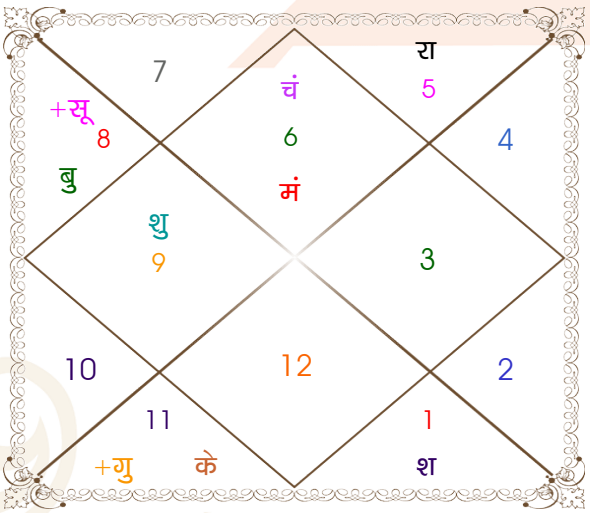

लग्न-चलित

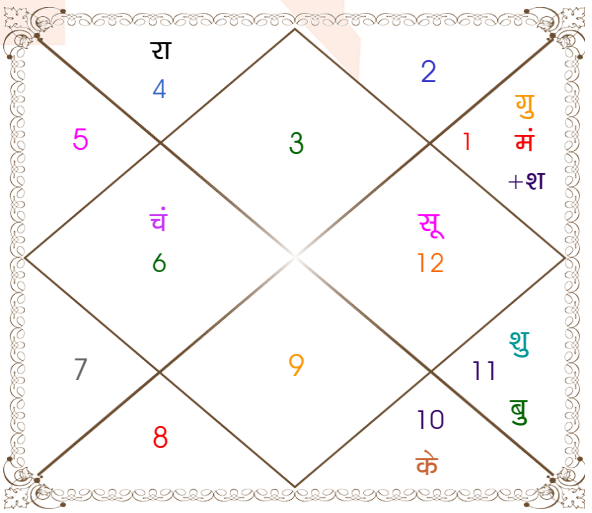

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गौ	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतर्णेतमलेी चंदबींस का वर्ग मूषक है तथा Ms.purva panchal का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णेतमलेी चंदबींस और Ms.purva panchal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णेतमलेी चंदबींस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतर्णेतमलेी चंदबींस कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.purva panchal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.purva panchal कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णेतमलेी चंदबींस तथा Ms.purva panchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।